हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 21 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 01 अक्टूबर से 07 अक्टूबर 2021

महाराष्ट्र ATS ने एक और संदिग्ध आतंकी को किया गिरफ्तार

बम धमाके से देश को दहलाने की साजिश

मुंबईः महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने एक संदिग्ध के मुंब्रा आवास से टूटा हुआ मोबाइल फोन और कुछ संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए थे. संदिग्ध को पाकिस्तान समर्थित आतंकी मॉड्यूल के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था. एक अधिकारी ने बताया कि एटीएस ने रविवार को ठाणे जिले के मुंब्रा में रिजवान इब्राहिम मोमिन (40) के आवास के पास नाले से तीन टुकड़ों में टूटा हुआ मोबाइल फोन और कुछ संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए. पाकिस्तानी आतंकी मॉड्यूल के भांडाफोड़ के बाद खुलासा हुआ था कि इस मॉड्यूल का हिस्सा रहे आंतकवादियों को रेलवे लाइन और पुलों को उड़ाने की ट्रेनिंग दी गई थी. इसी के साथ बड़ी गैदरिंग भी इनके निशाने पर थी. मामले में अब स्लीपर सेल की भूमिका भी सामने आई है.दो आतंकवादी ट्रेनिंग के लिए पाकिस्तान गए थे, लेकिन उनके पासपोर्ट पर कोई मुहर नहीं थी. उन्होंने ग्वाहर बंदगाह से समुद्री मार्ग का विकल्प चुना. ओमान से पाकिस्तान जाते समय उन्होंने बीच में मोटरबोट भी बदली. इसी के साथ जांच में पता चला है कि ये मॉड्यूल साल 1993 में हुई मुंबई सीरिल बम धमाकों की तर्ज पर योजना बना रहा था. अलग-अलग जगहों से लोगों को रेकी करने के बाद एक साथ मिलना था सूत्रों ने बताया कि इन धमाकों में फ्छ का इस्तेमाल होना था.

दिल्ली में दशहरा और दुर्गा पूजा आयोजन को मिली अनुमति, स्कूल खोलने पर फैसला त्योहारों के बाद

नई दिल्लीः दिल्ली में कोरोना से सुधरते हालातों के बीच अब दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने इस साल दशहरा और दुर्गा पूजा समारोह के आयोजन की अनुमति दे दी है. लेकनि इन आयोजन स्थलों पर कुल सीटों से ज्यादा भीड़ एकत्र नहीं हो, इसको लेकर भी सख्त दशिानर्दिश डीडीएमए की ओर से आयोजनकताओं को दएि गए हैं. बुधवार को उप राज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में हुई दिल्ली आपदा प्रबंधन अथॉरिटी (डीडीएमए) की मीटिंग में यह फैसला लयिा गया. मीटिंग में नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल, दल्लिी के चीफ सेक्रेटरी वजिय कुमार देव और एम्स के निदेशक डॉक्टर रणदीप गुलेरिया भी शामिल रहे. डीडीएमए की ओर से इन आयोजन को करने के साथ-साथ कोवडि-19 उचति व्यवहार की गाइडलाइंस का अनुपालन करते हुए यह भी सुनश्चिति करना होगा कि साइट पर कसिी प्रकार के भोजनालय, कोई मेला आदि का आयोजन नहीं कयिा जाए.

ICON OPTICAL GALLERY

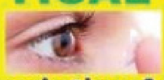

- Buy 2 Prs of prescription Antireflection glasses of Rs 1600/- and get 2 frames free......
- Buy 2 Prs of Blue Cut Antireflection prescription glasses of Rs 1899/- and get 2 frames free......
- Buy 1 Frame or Sunglass & get 1 Frame or Sunglass free Rs 1000/- onwards......
- Branded Frames, Sunglasses & Glasses available with discount.
- We make any Single Vision, Bifocal and Progressive prescription Glasses in 1 or 2 hrs.

9819292152
murtaza12152@yahoo.com
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053

मुंबई में नहीं थम रही ड्रग्स सप्लाई, दाऊद के खास गुर्गे के खुलासे के बाद NCB के रडार पर डी गैंग

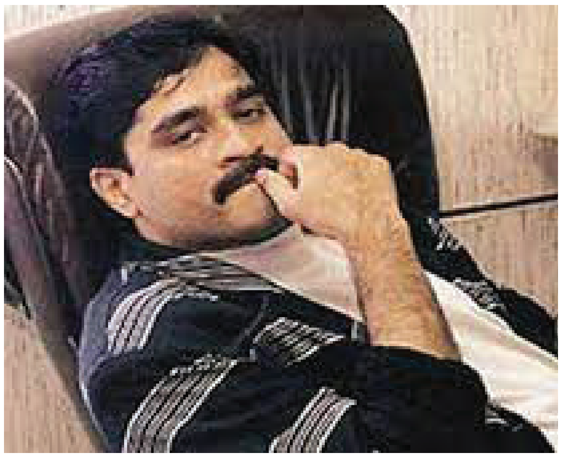

मुंबई। नॉरकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा ड्रग्स के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए लगातार की जा रही कार्रवाइयों के बावजूद मुंबई में ड्रग्स तस्करी रुकने का नाम नही ले रही है. इन कार्रवाइयों के बाद भी अंडरवर्ल्ड और डी कंपनी के ड्रग्स सप्लायर अलग-अलग ठिकानों से तस्करी को अंजाम दे रहे हैं और इसकी एनसीबी को भनक तक नही लग पाई. इसका खुलासा दाऊद के गुर्गे और डी गैंग के मुख्य ड्रग्स सप्लायर मोहम्मद अजीम अबू सलीम उर्फ अजीम भाऊ ने किया है, जिसे कुछ दिनों पहले ही ठउइ ने नवी मुंबई से ड्रग्स की खेप के साथ गिरफ्तार किया है.NCB सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक दाऊद के इस गुर्गे ने पूछताछ में कई ऐसे खुलासे किए हैं, जिसे सुनकर आला अधिकारी सन्न रह गए. इन खुलासों ने अधिकारियों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि डी कंपनी दूसरे ठिकाने से लगातार ड्रग्स तस्करी कर रही थी और उन्हें उसकी भनक कैसे नहीं लगी. सूत्रों के अनुसार अजीम भाऊ डी कंपनी का बेहद ही पुराना और विश्वासपात्र गुर्गा है. ठउइ ने जब दाऊद की डोंगरी वाली ड्रग्स फैक्ट्री का पदार्फाश करते हुए उसे चलाने वाले चिंकू पठान और आरिफ भुजवाला को गिरफ्तार कर लिया था, उससे डी कंपनी को काफी झटका लगा था. इस फैक्ट्री को नष्ट करने के बाद एनसीबी को यह लगने लगा था कि डी गैंग के ड्रग्स कारोबार का खात्मा हो गया है, लेकिन उसी दौरान दाऊद के भाई अनीस इब्राहिम ने अजीम भाऊ को दुबई बुलाया. दुबई पहुंचने के बाद अनीस ने ड्रग्स के कारोबार चलाने की जिम्मेदारी अजीम भाऊ को सौंप दी.

मुंबई ठउइ के जॉइंट डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने बताया, ह्यहमारी जांच में अजीम भाऊ के लिंक डी कंपनी और अनीस इब्राहिम से मिला है. इसी लिंक के आधार पर हमारी जांच आगे चल रही है. जांच के दौरान ही अजीम भाऊ के पार्टनर इलियास बचकाना का पता चला है, जिसके इस समय मध्यप्रदेश में छुपे होने के सुराग मिले हैं. दोनों मिलकर ही मुंबई में फिर से दाऊद की ड्रग्स फैक्ट्री चला रहे थे. इलियास हमारी रडार पर है और जल्द ही उसकी गिरफ्तारी होगी. सूत्रों के मुताबिक ड्रग्स के कारोबार को फिर से खड़ा करने के लिए बाकायदा अनीस ने एक प्लान तैयार किया था. इस प्लान के तहत इस कारोबार को मुंबई के बजाय उसके आस-पास के इलाकों से चलाने का फैसला अनीस ने किया था और अजीम को ऐसे गुर्गों को ड्रग्स सप्लाई के लिए चुनने के लिए कहा गया था, जिनका न तो पुलिस रिकॉर्ड हो और न ही वो एनसीबी की रडार पर हों.

दुबई से वापस लौटने के बाद अनीस के दिशा निर्देश पर अजीम भाऊ नवी मुंबई में बैठकर दाऊद के ड्रग्स के कारोबार को संभालने लगा और उसके गुर्गे पिछले कई महीनों से बांद्रा, अंधेरी और साउथ मुंबई के कई इलाकों में ड्रग्स की सप्लाई कर रहे थे. नवी मुंबई ड्रग्स बनाने के लिए लगने वाले सभी रॉ मैटेरियल की व्यवस्था को भी अजीम भाऊ ही देखता था और नवी मुंबई से हर दिन करोड़ों की ड्रग्स की सप्लाई होती थी.

इस दौरान अजीम भाऊ लगातार अनीस के संपर्क में रहता था और 2-3 बार दुबई जाकर उससे मिला भी था, लेकिन एनसीबी को इसकी भनक तक नही लगी. दरअसल ड्रग्स तस्करी के एक अन्य मामले में मुंब्रा से 4 ड्रग्स पैडलर्स को गिरफ्तार किया था. इन ड्रग्स पैडलर्स से पूछताछ में अजीम भाऊ का नाम सामने आया था. इस सुराग के मिलने के बाद एनसीबी ने 16 सितंबर को नवी मुंबई की एक इमारत में छापा मारकर अजीम भाऊ को चरस, एमडी और एफेड्रिन की खेप के साथ गिरफ्तार किया.

शिवसेना सांसद के करीबी सईद खान को ED ने किया गिरफ्तार

मुंबई। शिवसेना सांसद भावना गवली के करीबी सहयोगी सईद खान को प्रवर्तन निदेशालय ने ट्रस्ट के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी सईद खान को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। बता दें कि भावना गवली महाराष्ट्र के यवतमाल वाशिम निर्वाचन क्षेत्र से सांसद हैं। मनी लॉन्ड्रिंग के कई मामलों में ईडी उसकी जांच कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यवतमाल-वाशिम सांसद भावना गवली से जुड़े ट्रस्ट में करीब 17 करोड़ रुपये की गड़बड़ी सामने आयी है। बीते माह भी प्रवर्तन निदेशालय ने शिवसेना नेता भावना गवली के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी।सईद खान को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है और एजेंसी द्वारा आगे की हिरासत के लिए यहां एक स्थानीय अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा।

सामाजिक कार्यकर्ता हरीश सारदा ने हाल ही में आरोप लगाया था कि बालाजी सहकारी पार्टिकल बोर्ड के नाम से भावना गवली ने 43.35 करोड़ रुपये का ऋण लेकर राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) के साथ धोखाधड़ी की थी। हरीश सारदा का दावा था कि भावना गवली ने दस साल के लिए ये रकम उधार ली थी लेकिन वास्तविकता ये थी के ये कंपनी कभी शुरू ही नहीं हुई।

भावना गवली की फर्म भावना एग्रो प्रोडक्ट्स एंड सर्विसेज लिमिटेड में कथित तौर पर अनियमितताएं पाई गईं थीं। इन कंपनियों के लिए दो बैंकों से 7.5 करोड़ रुपये उधार लिए गए थे।

मध्य महाराष्ट्र में पिछले 48 घंटों में भारी बारिश से 10 लोगों की मौत

मुंबई। चक्रवाती तूफान गुलाब का असर मुंबई सहित महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में दिखाई दे रहा है। मुंबई ने आज कई दिनों बाद भारी बरसात देखी गई। दूसरी ओर मराठवाड़ा में लगातार हो रही तेज बारिश के कारण जिसके कारण बीड एवं लातूर जिलों में मांजरा नदी के किनारे बसे कई गांवों में बाढ़ आ गई है। मराठवाड़ा के आठ में से छह जिलों में 10 लोगों के मारे जाने की खबर है। कई कच्चे मकान ढह गए हैं। मूसलाधार पिछले 48 घंटों में 10 लोग मारे गए हैं एवं 200 से ज्यादा पशु बह गए हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे ऐसी ही बरसात होने की आशंका जताई है।पिछले कुछ दिनों से मुंबई में हल्की-फुल्की बरसात होती आ रही थी। आज एक बार मुंबई सहित निकटवर्ती पालघर, कल्याण, ठाणे आदि जिलों में तेज बरसात हुई। तेज बारिश का यह दौर बुधवार तक जारी रहने की संभावना है। मुंबई में बरसात के कारण निचले इलाकों में जलभराव तो हुआ, लेकिन उपनगरीय ट्रेनों के आवागमन पर कोई खास असर नहीं पड़ा।बरसात के कारण ज्यादातर लोगों ने भी घर से निकलने से परहेज किया।

बरसात का ज्यादा असर महाराष्ट्र के मराठवाड़ा एवं विदर्भ क्षेत्रों में दिखाई दिया। मराठवाड़ा के आठ जिलों में पिछले 48 घंटों से हो रही मूसलाधार बरसात में दस लोगों के मारे जाने एवं 200 से ज्यादा पशुओं के बह जाने की खबर है। विदर्भ क्षेत्र में भी कई लोगों को जान गंवानी पड़ी है। लेकिन वहां से विस्तृत सूचना नहीं मिल सकी है। मराठवाड़ा के औरंगाबाद, लातूर, उस्मानाबाद, परभणी, नांदेड़, बीड, जालना एवं हिंगोली जिलों में बारिश का कहर सर्वाधिक रहा है। बरसात के कारण कई बांधों से पानी छोड़ना पड़ा है, बरसात एवं बाढ़ के कारण इस क्षेत्र में फसलों को भी काफी नुकसान हुआ है।

राज्य के जल संसाधन मंत्री जयंत पाटिल के अनुसार, सोमवार से ही जल संसाधन विभाग स्थितियों पर नजर रख रहा है। आवश्यकतानुसार मदद पहुंचाई जा रही है।

बता दें कि इसी वर्ष जुलाई के अंतिम सप्ताह में कोंकण एवं पश्चिम महाराष्ट्र क्षेत्र में हुई मूसलाधार बरसात के कारण इन दोनों क्षेत्रों को बाढ़ का सामना करना पड़ा था एवं पहाड़ी क्षेत्रों में हुए भूस्खलन के कारण करीब 150 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी।

विधानसभा चुनाव के लिए शिवसेना ने गतिविधि बढ़ाई, प्रयागराज में सभी सीटों पर करेगी मुकाबला

मुंबईः विधानसभा चुनाव 2022 के लिए सभी राजनीतिक दल सक्रिय हो चुके हैं तो शिवसेना ने भी चुनावी गतिविधि बढ़ा दी है। संगठन को मजबूत बनाने के साथ ही आम जनमानस से जुड़ने की कोशिश की जा रही है। इसे लेकर पिछले दिनों बैठक हुई। इसमें शिव संपर्क अभियान चलाने पर सहमति बनी। यमुनापार मुख्यालय पचदेवरा में भी एक बैठक संगठन के पदाधिकारियों ने की। इसकी अध्यक्षता चंद्रमा प्रसाद शुक्ला और संचालन जिला उपप्रमुख बबलू उपाध्याय ने किया। विशिष्ट अतिथि जिला संगठक आशीष तिवारी एवं जिला प्रमुख संजय द्विवेदी रहे। इसमें कई पुराने शिवसैनिक शामिल हुए। यह वह लोग थे जो २० से २५ साल से जुड़े हैं। कई ऐसे भी वरिष्ठ लोग रहे जो किसी अन्य दल से आए हैं। इस मौके पर कई वरिष्ठ लोगो को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। डा. मनोज कुमार चतुर्वेदी ने शिवसेना की सदस्यता लेने वालों का स्वागत किया। जिला संगठक आशीष तिवारी ने कहा कि पार्टी की नीति को जन जन तक पहुंचाएं।जिला प्रमुख संजय दुबे ने शिव सैनिकों को अवगत कराया कि २०२२ में उत्तर प्रदेश में होने वाले चुनाव में शिवसेना अधिकांस सीटों पर चुनाव लड़ेगी। खासकर प्रयागराज की सभी सीटों पर चुनाव लड़ाने का फैसला किया है। इसके लिए शिवसंपर्क अभियान शुरू किया जा रहा है। जिले में संगठन को मजबूत करने के लिए शिव संपर्क अभियान के माध्यम से सभी पुराने शिवसैनिकों से मिलकर संगठन को मजबूत किया जाएगा। बैठक के माध्यम से कई नए पदाधिकारियों को मनोनीत किया गया। मुख्य रूप से जिला महासचिव सरवेशर प्रताप सिंह, जिला सचिव मोहन गौड़, डॉक्टर मनोज चतुर्वेदी, विनय शुक्ला, बृजेश मिश्रा, रंजीत तिवारी, पुरुषोत्तम तिवारी, अशोक सिंह, सत्यम चतुर्वेदी ,निखिल पांडेय, अम्बिक प्रसाद तिवारी, भोला नाथ पांडेय, भगवती प्रसाद मिश्रा को संगठन की जिम्मेदारी दी गई।

शिवसेना सांसद भावना गवली से मनी लांड्रिंग मामले में ईडी करेगी पूछताछ

मुंबईः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लांड्रिंग के मामले में एक और शिवसेना नेता को पूछताछ के लिए समन जारी किया है। केंद्रीय एजेंसी ने शिवसेना सांसद भावना गवली को चार अक्टूबर को अपने दफ्तर में जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने के लिए कहा है। 48 वर्षीय गवली महाराष्ट्र की यवतमाल-वाशिम सीट से लोकसभा सदस्य हैं। ईडी मंगलवार को शिवसेना नेता व महाराष्ट्र सरकार में मंत्री अनिल परब से राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख से जुड़े एक मनी लांड्रिंग मामले में आठ घंटे पूछताछ कर चुकी है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि एजेंसी ने मंगलवार को गवली के कथित सहयोगी सईद खान को प्रिवेंशन आफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया है।मामला गवली से जुड़े कुछ खास ट्रस्टों में कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित है। इस मामले में गवली समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज है। एजेंसी ने पीएमएलए अदालत में कहा कि गवली ने 18 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने के लिए सईद की मदद से फर्जी तरीके से एक ट्रस्ट को निजी कंपनी में तब्दील करने का कथित आपराधिक षड्यंत्र रचा। ईडी ने कहा कि अब तक की जांच में 18.18 करोड़ रुपये की हेराफेरी व सात करोड़ रुपये की नकदी की चोरी का पता चला है।

इस मानसून में अब तक महाराष्ट्र में 436 लोगों की गई जान

मुंबई। महाराष्ट्र में इस मानसून में अब तक 436 लोगों की जान जा चुकी है और बड़ा आर्थिक नुकसान भी चुका है। जबकि बारिश का दौर अभी भी जारी है। मुंबई सहित महाराष्ट्र के ज्यादातर हिस्सों में मूसलाधार बारिश का दौर बुधवार को भी जारी रहा और गुरुवार को भी जारी रहने की संभावना है। पिछले तीन दिनों से मराठवाड़ा और विदर्भ में हो रही बारिश के कारण 15 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। बारिश के इस चरण को गुलाब चक्रवात का असर बताया जा रहा है। इस वर्ष के मानसून में एक जून से अभी तक 436 लोगों की जान जा चुकी है और छह लोग लापता हुए हैं। राज्य के राहत और पुनर्वास मंत्री विजय वडेट्टीवार के अनुसार, इनमें 196 की मृत्यु बिजली गिरने से हुई है। बाकी लोग बाढ़, घर गिरने, भूस्खलन आदि की चपेट में आने से मारे गए हैं। उनके अनुसा,र सिर्फ सितंबर माह में अब तक 71 लोगों की जान जा चुकी है। जबकि मानसून शुरू होने से पहले मई के अंत में आए टाक्टे तूफान में अरब सागर में एक बजरा डूब जाने से भी 86 लोग मारे गए थे। इस बार दक्षिण-पश्चिम से उठने वाले मानसून के दौरान जुलाई के तीसरे सप्ताह में कोंकण और पश्चिमी महाराष्ट्र को भीषण बाढ़ से गुजरना पड़ा। इस इलाके में करीब एक सप्ताह हुई भीषण बारिश ने कोंकण के समुद्र तटीय क्षेत्रों सहित कोल्हापुर-सातारा-सांगली आदि शहरों में भारी तबाही मचाई।

NIA ने ठुकरायी सचिन वाझे की अपील, कोर्ट से मांगी थी घर में ही नजरबंद होने की अनुमति

मुंबई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की अदालत ने बुधवार को मुंबई पुलिस के पूर्व अधिकारी सचिन वाझे की अपील को खारिज कर दिया है। वाझे ने कोर्ट से अपील की थी की हार्ट सर्जरी के बाद रिकवरी तक उसे तीन महीने के लिए घर में ही नजरबंद रखने की अनुमति दे दी जाये। सचिन वाझे को इसके बजाय तलोजा जेल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।कोर्ट ने हालांकि उन्हें घर का खाना पहुंचाने की इजाजत दी है और कहा है कि आपात स्थिति में उन्हें जेजे अस्पताल में शिफ्ट किया जा सकता है।

बता दें कि 13 सितंबर को एक निजी अस्पताल में उनकी दिल की बाईपास सर्जरी हुई थी। वाझे ने अपने आवेदन में तीन महीने की अवधि के लिए नजरबंद होने की मांग करते हुए कहा था कि उनकी पांच ग्राफ्ट्स के साथ एक जटिल हृदय शल्य चिकित्सा हुई थी और जेल के वातावरण में उन्हें संक्रमण होने का खतरा है। वाझे अपने घर पर सात पुलिस गार्ड तैनात करने का खर्च उठाने के लिए भी तैयार था। वाझे के वकील ने कोर्ट से कहा था कि फरार होने का कोई सवाल ही नहीं है क्योंकि वाझे पुलिस की हिरासत में होंगे सुरक्षा कर्मचारी भी वहीं मौजूद रहेंगे। उनकी पत्नी और बेटी उनसे सिर्फ दवा और खाने के लिए ही मिलेंगे। ये केवल वाझे को स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के इरादे से और आरोपी को बेहतर चिकित्सा उपलब्ध करवाने के लिए अनुमति मांगी जा रही है। वकील ने तर्क देते हुए कहा कि जेल में तपेदिक की बीमारी जेल में होने वाले जानलेवा संक्रमणों में से एक है।विशेष एनआईए न्यायाधीश एटी वानखेड़े ने निजी अस्पताल से वाझे की रिपोर्ट का अध्ययन करते हुए कहा कि रिपोर्ट के अनुसार वह चार से पांच सप्ताह के भीतर ठीक हो जाएगा और सामान्य जीवन जी सकता है, घर में नजरबंद करने की कोई आवश्यकता नहीं है। एनआईए का प्रतिनिधित्व करने वाले विशेष लोक अभियोजक ने तर्क देते हुए कहा कि हाउस कस्टडी की आड़ में आरोपी अंतरिम जमानत की मांग कर रहा था।अस्पताल से छुट्टी के बाद देखभाल के निर्देश दिए गए हैं। इसमें कहा गया है कि आरोपी अपना दिन-प्रतिदिन का काम शुरू कर सकता है। वास्तव में, छह सप्ताह के बाद, वह भारी-भरकम काम शुरू कर सकता है।

संपादकीय

संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला

संयुक्त राष्ट्र में मोदी

संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न विषयों पर जिस प्रभावशाली ढंग से अपनी बात रखी, उससे उन्होंने न केवल खुद को दुनिया की चिंता करने वाले राजनेता के रूप में चित्रित किया, बल्कि भारत के बढ़ते हुए कद को भी रेखांकित किया। इस मंच से एक ओर जहां उन्होंने दुनिया को भारत की कामयाबी की कहानी बयान की, वहीं दूसरी ओर कोविड महामारी के इस दौर में भारत के योगदान को भी स्पष्ट किया। उनके वक्तव्य ने यह साफ किया कि भारत अपने हितों के साथ दुनिया के हितों की रक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने न केवल कोरोना रोधी टीकों के निर्यात का आश्वासन दिया, बल्कि टीका निमार्ता कंपनियों को भारत आने का निमंत्रण भी दिया, ताकि दुनिया के गरीब देशों को जल्द से जल्द टीका उपलब्ध हो सके। अवसर की मांग के अनुरूप उन्होंने अफगानिस्तान का भी जिक्र किया और साफ तौर पर कहा कि इस देश की जमीन का इस्तेमाल अन्य देशों में आतंकवाद फैलाने के लिए नहीं होना चाहिए। एक ऐसे समय जब चीन और पाकिस्तान बंदूक के बल पर अफगानिस्तान में काबिज हुए तालिबान की पैरवी में जुटे हों, तब यह आवश्यक था कि किसी की ओर से उस खतरे के प्रति सावधान किया जाता, जो अफगान क्षेत्र से उभरता हुआ दिख रहा है। यह अच्छा हुआ कि भारतीय प्रधानमंत्री ने इस दायित्व का निर्वहन बखूबी किया। और भी अच्छा यह हुआ कि इस क्रम में उन्होंने चीन और पाकिस्तान को खरी-खरी सुनाने में कोई संकोच नहीं किया।भारतीय प्रधानमंत्री ने आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए जहां पाकिस्तान को निशाने पर लिया, वहीं विस्तारवादी प्रवृत्ति का परिचय दे रहे चीन को भी आईना दिखाया, जो हिंद प्रशांत समेत अन्य समुद्री क्षेत्रों में अपनी मनमानी करने में लगा हुआ है। इस मनमानी के खिलाफ आवाज उठनी ही चाहिए। नि:संदेह इसी के साथ यह भी आवश्यक था कि संयुक्त राष्ट्र में सुधार की मांग की जाए। भारतीय प्रधानमंत्री ने केवल यह मांग ही नहीं की, बल्कि सीधे-सपाट शब्दों में यह भी कहा कि यदि संयुक्त राष्ट्र सुधारों की दिशा में आगे नहीं बढ़ता तो वह अप्रासंगिक हो जाएगा। सच तो यह है कि वह अप्रासंगिक होता हुआ नजर भी आने लगा है और इसी कारण भारतीय प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि इस संस्था को खुद को प्रासंगिक बनाए रखना है तो उसे अपने प्रभाव और विश्वसनीयता को बढ़ाना होगा। यह एक तथ्य है कि कोविड महामारी और आतंकवाद के मामले में संयुक्त राष्ट्र अपेक्षित भूमिका का निर्वाह नहीं कर सका।

क्या कन्हैया-जिग्नेश जैसे नेता कांग्रेस को बचा सकेंगे

कांग्रेस पार्टी में इन दिनों बड़े बदलाव हो रहे हैं. पंजाब से लेकर दिल्ली तक बहुत सी चीजें बदलीं हैं. बीते दिनों जहां पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने इस्तीफा दे दिया और वहां एक दलित चेहरा चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया गया, तो वहीं मंगलवार को दिल्ली में गुजरात के दलित नेता जिग्नेश मेवाणी और मूलतः बिहार के रहने वाले कम्युनिस्ट नेता कन्हैया कुमार को कांग्रेस में शामिल किया गया. कन्हैया कुमार 2016 में जेएनयू में लगे देश विरोधी नारों के बाद लाइमलाइट में आए थे. उसके बाद उन्होंने हर मोर्चे पर मौजूदा केंद्र सरकार का विरोध किया और शायद इसी विरोध के चलते ही उन्हें कांग्रेस पार्टी में जगह भी मिली. हालांकि अगर आप कन्हैया कुमार और जिग्नेश मेवाणी के कांग्रेस में शामिल करने के पीछे की वजह देखें तो वह जुलाई महीने में ही दिख गई थी जब कांग्रेस पार्टी के सोशल मीडिया प्रोग्राम में राहुल गांधी ने साफ कह दिया था कि बहुत से ऐसे लोग हैं जो मौजूदा सरकार से डर नहीं रहे हैं, बल्कि उससे लड़ रहे हैं. लेकिन वह लोग कांग्रेस से बाहर है और उन्हें कांग्रेस में लाने की जरूरत है. वहीं जो लोग कांग्रेस के अंदर हैं और सरकार से डर रहे हैं उन्हें कांग्रेस छोड़ देने की जरूरत है. राहुल गांधी ने इस बयान में जिन बाहर के लोगों का जिक्र किया उनमें जिग्नेश मेवाणी और कन्हैया कुमार जैसे युवा ही थे. जिन्हें राहुल गांधी अपनी नई टीम में शामिल करना चाहते थे और उन्होंने वैसा ही किया भी. लेकिन जिग्नेश मेवाणी और कन्हैया कुमार को कांग्रेस पार्टी में शामिल करके क्या राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी को वह धार दे पाएंगे कि वह आगामी विधानसभा चुनाव या फिर 2024 के लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन कर पाएं इस पर फिलहाल कई सवाल हैं.राहुल गांधी को

मालूम है कि हिंदुस्तान में अगर कांग्रेस को फिर से खड़ा करना है तो पार्टी के उम्र दराज नेताओं की जगह उन युवा नेताओं को सामने लाना होगा, जिनमें लड़ने की क्षमता और जुनून दोनों है. कन्हैया कुमार को कांग्रेस में शामिल करने की सबसे बड़ी वजह है बिहार में कांग्रेस का कोई भी बड़ा और युवा चेहरा ना होना. बिहार में अगर कांग्रेस के शासन काल को देखें तो नब्बे के बाद से कांग्रेस बिहार की सत्ता से दूर है. हालांकि बीच-बीच में वह गठबंधन के सहारे जरूर सत्ता में रही. लेकिन कांग्रेस का मुख्यमंत्री कोई नहीं बन पाया. जेडीयू के पास नितीश कुमार का चेहरा था, आरजेडी की कमान अब तेजस्वी यादव ने संभाल ली थी. लेकिन कांग्रेस के पास कोई ऐसा चेहरा नहीं था जो बिहार में कांग्रेस को एक नई ऊर्जा दिला सके. कन्हैया कुमार ने बहुत ही कम समय में देश की राजनीति में अपने आप को स्थापित किया है. इसलिए आने वाले समय में बिहार में कांग्रेस को मजबूती कन्हैया के नाम पर जरूर मिल सकती है. वहीं अगर जिग्नेश मेवाणी की बात करें तो गुजरात में वह अब दलितों का चेहरा बन चुके हैं. पहले पत्रकार, वकील और एक्टिविस्ट रहने के बाद अब गुजरात के बडगाम से निर्दलीय विधायक हैं. उन्होंने गुजरात के कई दलित आंदोलनों का नेतृत्व किया है. राहुल गांधी को मालूम है कि अगर गुजरात में कांग्रेस को फिर से सत्ता में लाना है तो हार्दिक पटेल के साथ साथ जिग्नेश मेवाणी जैसा दलित युवा चेहरा भी चाहिए होगा. राहुल गांधी के पास कांग्रेस में ऐसे नेताओं की बहुत ज्यादा कमी है जो फायर ब्रांड तरीके से मुखर होकर प्रधानमंत्री मोदी और भारतीय जनता पार्टी का विरोध करते हैं. ऐसे में कन्हैया कुमार और जिग्नेश मेवाणी जिनका राजनीतिक आधार ही मोदी विरोध से बना है राहुल गांधी को पसंद आए. क्योंकि राहुल गांधी ने जुलाई महीने में कांग्रेस पार्टी के एक सोशल मीडिया कार्यक्रम में साफ-साफ अपने मन की भावना जाहिर कर दी थी कि उन्हें ऐसे नेताओं की जरूरत है जिनके अंदर पीएम मोदी और बीजेपी का विरोध करने को लेकर डर ना हो और वह खुलकर वर्तमान सरकार का विरोध कर सकें. शायद यही वजह थी कि राहुल गांधी ने कांग्रेस के बड़े नेताओं की बात को दरकिनार कर कन्हैया कुमार और जिग्नेश मेवाणी को कांग्रेस में जगह दीइधर कन्हैया कुमार कांग्रेस में शामिल हुए उधर कांग्रेस के अंदर खाने में ही बवाल चल गया. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए लिखा कि मैंने सुना है कि कुछ कम्युनिस्ट नेता कांग्रेस ज्वाइन कर रहे हैं. ऐसे में शायद 1973 में लिखी गई किताब ह्यकम्युनिस्ट इन कांग्रेसह्न को फिर से पढ़े जाने की जरूरत है. मैंने भी आज इसे फिर से पढ़ा है. मनीष तिवारी जैसे कई नेता कन्हैया कुमार के कांग्रेस में शामिल होने से नाराज हैं. हालांकि सब खुलकर मनीष तिवारी की तरह बयान नहीं दे रहे हैं. हालांकि यह नियति है जब भी कहीं किसी पार्टी में युवा चेहरों को जगह मिलती है तो पार्टी के पुराने बरगद असहज महसूस करते हैं और उन्हें लगता है कि शायद आने वाले समय में उनकी जगह यह युवा चेहरे दिखेंगे जो कुछ हद तक सही भी होता है. कन्हैया कुमार ने 2019 के लोकसभा चुनाव में बेगूसराय से बीजेपी के गिरिराज सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ा था, जहां वह बुरी तरह से हार गए थे. भारतीय जनता पार्टी कन्हैया को टुकड़े-टुकड़े गैंग का लीडर कहती है और कहीं ना कहीं वह देश की जनता को भी यह संदेश देने में कामयाब हो गई है. अब ऐसे में आने वाले समय में पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा जैसे राज्यों में चुनाव हैं. बीजेपी कन्हैया कुमार के कांग्रेस में शामिल होने के मुद्दे को खूब भुनाएगी और मंचों से कहा जाएगा कि कांग्रेस उनके साथ खड़ी है जो देश के टुकड़े टुकड़े होने का सपना देखते हैं. हालांकि कन्हैया पर लगे यह इल्जाम कि उन्होंने देश विरोधी नारे लगाए थे आज तक साबित नहीं हो पाया है. लेकिन राजनीति में चीजें साबित हों या ना हों जनता के मन में अगर बैठ गया तो उसका कुछ ना कुछ परिणाम दिखाई ही देता है.बिहार में कांग्रेस को मजबूत करेंगे कन्हैया कुमार

बिहार में फिलहाल कांग्रेस के अध्यक्ष है मदन मोहन झा जिनका कार्यकाल अब समाप्त हो चुका है और पार्टी भी अब बिहार में किसी ऐसे युवा नेता को देखना चाहती है जिसके अंदर नीतीश कुमार से सवाल करने का माद्दा हो.

सीएम योगी आदित्यनाथ का प्रदेश में अपराधी छवि वाले पुलिसकर्मियों को बर्खास्त करने का निर्देश, शीघ्र होगी जांच

लखनऊ। गोरखपुर में एक प्रापर्टी डीलर की हत्या के मामले में तीन पुलिसकर्मियों के नामजद होने के बाद से अपराधी छवि वाले प्रदेश के सभी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सीएम योगी आदित्यनाथ के तेवर बेहद सख्त हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लोक भवन में गृह विभाग के शीर्ष अधिकारियों को अपराधी छवि वाले प्रदेश के सभी पुलिसकर्मियों की जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस जांच में सभी दोषी मिलने पर सभी को तत्काल बर्खास्तगी का भी निर्देश दिया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अब प्रदेश के सभी दागी पुलिसक मयों की जांच करवाने और सूची बनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने गृह विभाग की जांच में दोषी मिलने सभी अपराधी छवि वाले पुलिसकर्मियों को बर्खास्त करने का आदेश दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर डीजी इंटेलिजेंस डीएस चौहान तथा एडीजी ला एंड आर्डर प्रशांत कुमार के नेतृत्व में दो कमेटियां बनाकर प्रदेश के सभी पुलिसकर्मियों का रिकार्ड रिव्यू करेंगी। किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि में लिप्त होने या फिर किसी मामले में दोषी पाए जाने पर इनको जबरिया रिटायर और बर्खास्त कर दिया जाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक में कहा कि हाल के दिनों में कतिपय पुलिस अधिकारियों/का मकों के अवैध गतिविधियों में संलिप्त होने की शिकायतें मिली हैं। यह तो कतई स्वीकार्य नहीं है। पुलिस विभाग में ऐसे लोगों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। प्रमाण के साथ ऐसे लोगों को चिन्हित कर सूची उपलब्ध कराएं। सभी के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही होगी। इसके साथ ही अति गंभीर अपराधों में लिप्त पुलिस अधिकारियों/कार्मिकों की बर्खास्तगी की जाए। दागी छवि वाले लोगों को फील्ड में महत्वपूर्ण पदों पर तैनाती न दी जाए।

पुणे गैंगरेप केस : मुंबई हाईकोर्ट ने बरकरार रखी तीन लोगों की उम्रकैद की सजा

मुंबई. पुणे गैंगरेप केस को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने तीन दोषियों की सजा बरकरार रखने का फैसला किया है. साल 2011 में पुणे सत्र अदालत ने इस केस में उम्र कैद की सजा सुनाई थी. न्यायालय ने मामले में बचाव पक्ष के वकीलों और न्यायाधीश के खिलाफ आलोचनात्मक टिप्पणी की. बता दें कि एक अप्रैल, 2010 को पुणे के बाहरी इलाके वाकाड के मनकर चौक में आईटी पार्क के पास आरोपी द्वारा उस समय पीड़िता के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था, जब उसने अपनी कार में उसे लिफ्ट दी थी. पुणे सत्र न्यायालय ने रंजीत गाडे, गणेश कांबले और सुभाष भोसले को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी. अदालत ने मामले में जिरह के दौरान बचाव पक्ष के वकीलों और न्यायाधीश के आचरण पर कुछ कड़ी टिप्पणियां कीं. हाई कोर्ट ने कहा कि मौजूदा मामले में, सत्र न्यायाधीश पीड़िता की गरिमा की रक्षा के लिए अपने कर्तव्य को निभाने में नाकाम रहे.

बिहार में चिट्ठी पर सियासत,मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा- मुझे लिखते कहां हैं तो तेजस्वी यादव ने दिया ये प्रूफ

पटना। बिहार में जातिगत जनगणना और विशेष राज्य के दर्जे को लेकर सियासी बयानबाजी जारी है। लेकिन इन सब के बीच ही सूबे में चिट्ठी पर सियासत भी तेज हो गई है। लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने किसानों की समस्या को बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चिट्ठी लिखी। लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नेता प्रतिपक्ष की चिट्ठी को लेकर बुधवार को कहा कि उनकी चिट्ठी तो मीडिया में आती है। सीएम नीतीश कुमार की इस टिप्पणी के बाद अब तेजस्वी ने इंटनेट मीडिया पर प्रुफ दिया है और बिहार के मुख्यमंत्री पर सियासी वार किया। बुधवार को तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दो पन्नों का पत्र लिखा। इस पत्र में उन्होंने बिहार के किसानों की समस्या का जिक्र किया और लिखा था कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सर्वदलीय नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र से मुलाकात कर किसानों की समस्याओं का स्थायी हल निलाकने की मांग करें।

लेकिन बुधवार को ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि हमें इस बारे में नहीं पता, वे मुझे पत्र लिखते कहां है? वो तो सब मीडिया में ही आता है। सीएम की इस टिप्पणी के बाद तेजस्वी यादव ने बुधवार को प्रुफ के साथ ट्विटर पर अपनी बात रखी। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि बिहार के सीएम इतने अनजान कैसे रह सकते हैं । तेजस्वी के पत्र को लेकर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए कहा था कि वे मुझे पत्र लिखते ही कहां हैं? सीएम ने कहा था कि ऐसे कहीं लिख कर भेज देने पर हम कैसे पढ़ेंगे। इस दौरान किसानों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के किसानों को हर सुविधा दी जा रही है। बाढ़ और सुखाड़ की वजह से जो भी क्षति हुई है, सरकार उसको लेकर किसानों की पूरी मदद कर रही है।

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा, कांग्रेस नेताओं को नहीं पता पार्टी में फैसले कौन ले रहा है

भोपाल। मध्य प्रदेश के गृहमंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि बिना अध्यक्ष वाली कांग्रेस पार्टी पर अब उसके ही शीर्ष नेता सवाल उठाने लगे हैं। कांग्रेस में आज उहापोह की स्थिति है और कांग्रेस के ही नेताओं को नहीं पता कि पार्टी में फैसले कौन ले रहा है? दिग्विजय सिंह जहां भी जाते हैं वहां बंटाधार ही करके आते हैं, अब देखना होगा कि अगर वो राजस्थान जा रहे तो वहां क्या होता है? देश में आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस की मानसिकता शुरू से मीडिया को कुचलने की रही है। कांग्रेस के नेता इन दिनों मीडिया के साथ जो कुछ कर रहे हैं, वह ठीक नहीं है। मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमण को पूरी तरह काबू में रखने के लिए लगातार सैंपल लिए जा रहे हैं। बुधवार को कोरोना के 63,819 टेस्ट हुए हैं। मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमण दर मात्र 0.02 फीसदी बची है। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 12 नए केस हैं।

सियासी हलचल के बीच CM चन्नी का बड़ा फैसला, 53 लाख परिवारों के बिजली बिल माफ

नई दिल्ली : पंजाब में चल रहे सियासी विवाद के बीच नए मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने आज पहली बार अपनी कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला लेते हुए 53 लाख परिवारों का बिजली बिल माफ कर दिया दिया। पंजाब सरकार के इस फैसले से सरकार के खजाने पर करीब 1200 करोड़ रुपए का भार आएगा। ऐसा माना जा रहा है कि पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए चन्नी सरकार ने यह फैसला लिया है। पंजाब कांग्रेस में लगातार चल रही आपसी खींचतान के बीच सरकार अब डैमेज कंट्रोल में लगी हुई है। बिजली बिल माफ करने का ऐलान मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने खुद प्रेस कॉन्फ्रेंस करके की।

कविता

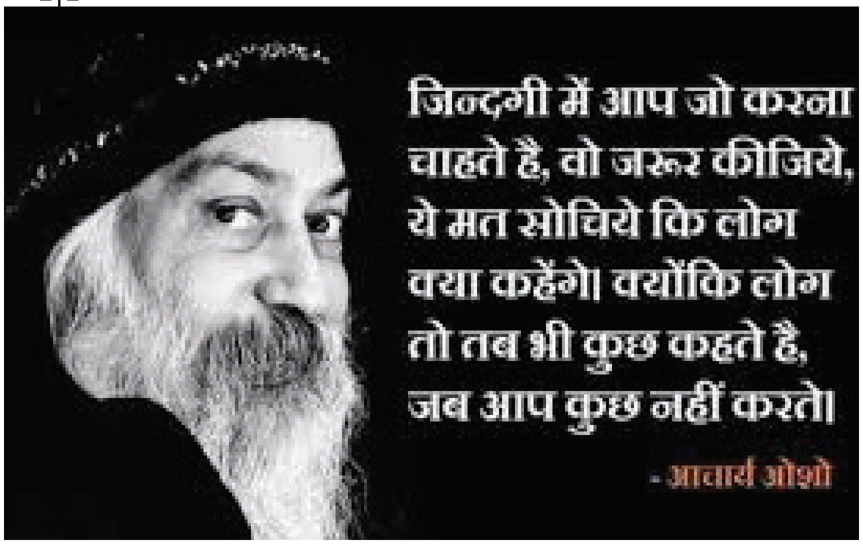

कहै कबीर दीवाना-ओशो

कल ही एक युवती मुझसे पूछती थी, कि उसको प्रेम किसी व्यक्ति से है। लेकिन दोनों की उम्र में बड़ा फासला है। उसकी उम्र होगी कोई तीस वर्ष। और उस व्यक्ति की उम्र है पचास वर्ष। प्रेम दोनों में गहन है, लेकिन वह भयभीत है। डर है उसे कि कहीं वह व्यक्ति मर न जाए, जल्दी, अन्यथा जीवन का अंत वैधव्य होगा। जीवन का अंत दुख से भर जाएगा। पीड़ा से भर जाएगा। इसलिए अपने को सम्हाले है। रोके हैं। मौत का डर तो है। व्यक्ति तरे हैं, वस्तुएं कहां मरती हैं? और जब व्यक्ति मरते हैं, तो उनको रिप्लेस नहीं किया जा सकता। कोई दूसरा व्यक्ति उसकी गहन नहीं भर सकता। क्योंकि हर व्यक्ति अनूठा है। एक फियाट कार मर जाए, दूसरी फियाट कार उसकी जगह आ सकती है। कोई अंतर नहीं है। एक तरह की लाखों कारें हैं। लेकिन एक व्यक्ति मर जाए, तो उस जैसा व्यक्ति फिर इस संसार में कहीं भी नहीं है। उसे खो देने पर सदा के लिए ही खो देना होता है। कोई दूसरा उसकी जगह को भर नहीं सकता। जगह सदा रिक्त रह जाती है। और हृदय में रिक्त जगह खलती है, चोट करती है, घाव बन जाती है। खतरा है व्यक्तियों के प्रेम में पड़ना। **जारी....**

बालों को तेजी से बढ़ाने के लिए इस तरह करें जैतून के तेल का इस्तेमाल

हम में से अधिकतर लोग बालों के झड़ने की समस्या से परेशान रहते हैं. बाल झड़ने के कई कारण हो सकते हैं. इसमें खराब जीवनशैली, खानपान और रासायनिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना आदि शामिल है. अगर समय रहते इस समस्या पर ध्यान न दिया गया तो बालों की स्थिती खराब भी हो सकती है.ऐसे में आप बालों के लिए कुछ प्राकृतिक तरीके भी अपना सकते हैं. ये बालों को झड़ने से रोकने और बालों को बढ़ाने में मदद करते हैं. आप हेल्दी बालों के लिए जैतून के तेल का इस्तेमाल कई तरीके से कर सकते हैं.जैतून का तेल गरम करें. हल्का ठंडा हो जाने के बाद तेल को स्कैल्प पर लगाएं और कुछ मिनट तक मसाज करें. इसे 30-40 मिनट के लिए या हो सके तो रात भर के लिए छोड़ दें. माइल्ड शैम्पू से धो लें. ऐसा आप हफ्ते में 2 से 3 बार कर सकते हैं.रस निकालने के लिए 6-7 लहसुन की कलियों को क्रश करें और फिर इसे थोड़े ठंडे जैतून के तेल में मिलाएं. इसे गर्म करें और फिर आंच से उतार लें. इसे एक तरफ रख दें. इससे स्कैल्प और बालों पर मसाज करें. इसे एक घंटे के लिए लगा रहने दें. इसके बाद माइल्ड शैम्पू का इस्तेमाल करें और बाल धो लें. इसका इस्तेमाल आप

हफ्ते में 2 बार कर सकते हैं. एक बाउल में 2 टेबल स्पून कोल्ड प्रेस्ड ऑलिव ऑयल लें. इसमें कुछ ताजा निचोड़ा हुआ नींबू का रस मिलाएं. एक साथ मिलाएं और इससे अपने स्कैल्प और बालों पर मसाज करें. वैकल्पिक रूप से आप जैतून के तेल में नींबू के एसेंशियल ऑयल की 4-5 बूंदें मिला सकते हैं. इसे 30 से 40 मिनट के लिए बालों पर लगा रहने दें. इसके बाद माइल्ड शैम्पू से धो लें. सप्ताह में 1 या 2 बार इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.अदरक लें और इसे कद्दूकस कर लें. कद्दूकस किए हुए अदरक का रस निकाल लें और इसमें दो बड़े चम्मच कोल्ड प्रेस्ड ऑलिव ऑयल मिलाएं और सामग्री को एक साथ मिलाएं. इस मिश्रण को बालों और स्कैल्प पर लगाएं. कुछ मिनट के लिए इससे बालों की मसाज करें. इसे 30 से 40 मिनट के लिए लगा रहने दें. इसके बाद माइल्ड शैम्पू से धो लें. सप्ताह में 2 बार इसका इस्तेमाल कर सकते हैं. एक बाउल में दो अंडे तोड़ें और अच्छी तरह फेंटें. इसमें थोड़ा शहद मिलाएं और दो बड़े चम्मच कोल्ड प्रेस्ड ऑलिव ऑयल भी मिलाएं. सामग्री को मिलाएं और इसे पूरे स्कैल्प और बालों की लंबाई पर लगाएं.

कपिल शर्मा के साथ मिलकर गीता कपूर ने उड़ाया मलाइका अरोड़ा का मजाक, कहीं अर्जुन कपूर ना मान जाएं बुरा

मुंबई। कपिल शर्मा शो में मलाइका अरोड़ा और टेरेंस लुईस आए. तीनों शो में इंडियाज बेस्ट डांसर के प्रमोशन के लिए आए. शो का प्रोमो रिलीज हुआ है जिसमें दिखाया गया कि शो में आते ही गीता और टेरेंस, कपिल के साथ मिलकर मलाइका का मजाक बनाते हैं. दरअसल, जब तीनों शो में आते हैं तो कपिल, मलाइका से पूछते हैं कि आज आप अकेले आए हो. आपके साथ वो कहां है क्यूट सा डॉग जिसके साथ आप घूमते हो. सभी हंसने लग जाते हैं. इसके बाद गीता, मलाइका की कॉपी करती हैं कि कैसे वह अपने डॉग कैस्पर के साथ वॉक करती हैं. गीता कहती हैं कि मलाइका को आप भी देखो तो वह ऐसे मॉडल की तरह वॉक करती हैं और जब वॉक पर जाती हैं तो चप्पल पहनकर ऐसे चलती हैं. इसके बाद टेरेंस फिर बीच में बोलते हैं कि जब फोटोग्राफर्स मलाइका की फोटो लेने आते हैं तो वह फिर ऐसे पोज देती हैं. कपिल कहते हैं कि टेरेंस आपने मलाइका और गीता केल साथ कई बार काम किया है. तो जब नोरा शो में आई थीं तो उनके साथ जज करने का आपका कैसा एक्सपीरियंस था? तब आपको ज्यादा मजा आया था क्या? फिर गीता कहती है, उस वक्त कंटेस्टेंट्स काफी खुश थे क्योंकि टेरेंस का तो ध्यान ही नहीं रहता था. तो उन्हें कंटेस्टेंट्स

के नुक्स निकालने का मौका ही नहीं मिल पाता था. प्रोमो में दिखाया गया कि मलाइका, कृष्णा अभिषेक के साथ श्रीदेवी के पॉपुलर गाने मैं तेरी दुश्मन में स्टेज पर नागिन डांस करती हैं. सभी दोनों की परफॉर्मेंस से इम्प्रेस हो जाते हैं.वैसे बता दें कि इस शो के अलावा मलाइका फिलहाल सुपरमॉडल ऑफ द ईयर 2 भी जज कर रही हैं. इसमें मलाइका के साथ मिलिंद सोमन और अनुषा दांडेकर भी हैं. हाल ही में इसी शो के दौरान मलाइका ने अपने सेलिब्रिटी क्रश और अर्जुन कपूर को लेकर बात की थी. मलाइका ने कहा था, डेनियल क्रेग को वह काफी पसंद करती हैं. वहीं फीमेल क्रश के लिए उन्होंने बैला हदीद का नाम लिया. मलाइका से इस दौरान ये भी पूछा गया था कि अपने बॉयफ्रेंड को उन्होंने लास्ट मैसेज किया था इस पर उन्होंने कहा था, मुझे ऐसे आदमी पसंद है जो रफ हो, ज्यादा चिकना ना हो और जो अच्छी किस कर सकता हो.

राजस्थान गेंदबाज हर्षद पटेल ने बना डाले कई रिकार्ड

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन में रायल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। टीम के इस शानदार खेल में तेज गेंदबाज हर्षल पटेल का अहम योगदान है। इस सीजन में वह अब तक कुल 26 विकेट चटका चुके हैं और पर्पल कैप उनके सिर पर सजा हुआ है। राजस्थान के खिलाफ बुधवार को खेले गए मुकाबले में कई रिकार्ड अपने नाम करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस मैच में हर्षल ने चार ओवर में 34 रन देकर 3 अहम विकेट चटकाए।

इसके साथ ही उनके टूर्नामेंट में 11 मुकाबलों से कुल 26 विकेट हो गए हैं और वह दूसरे स्था पर काबिज दिल्ली कैपिटल्स के आवेश खान से 8 विकेट आगे निकल गए हैं। इस मैच के दौरान हर्षल ने कई रिकार्ड बनाए। जसप्रीत बुमराह और लसिथ मलिंगा को उन्होंने सबसे तेज 25 आइपीएल चटकाने के मामले में पीछे छोड़ा। पिछले ही मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ हर्षल ने आइपीएल में अपनी पहली हैट्रिक ली थी। हर्षल ने महज 242 गेंद फेंकने के बाद आइपीएल के एक सीजन में 25 से ज्यादा विकेट चटकाए। ऐसा करने के मामले में वह बुमराह और मलिंगा से आगे निकल गए। मलिंगा ने 244 गेंद डालने के बाद यह कामयाबी हासिल की थी।

आइपीएल के किसी एक सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में हर्षल अब बुमराह को पीछे करने से एक विकेट दूर हैं। 2000 में मुंबई इंडियंस के इस गेंदबाज ने 27 विकेट चटकाए थे जबकि हर्षल के 26 विकेट हो चुके हैं। वहीं भुवनेश्वर कुमार ने भी 2017 के सीजन में इतने ही विकेट हासिल किए थे। लिस्ट में जयदेव उनादकट और हरभजन सिंह 24 विकटों के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं।

हर्षल ने अब तक भारतीय टीम की तरफ से एक भी इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है और इस सीजन 26 विकेट चटका चुके हैं। भारत की तरफ से एक सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले वह अनकैप्ड प्लेयर बन गए हैं। युजवेंद्र चहल ने साल 2015 में 23 विकेट हासिल किए थे। वहीं श्रीसंत (2011), सिदार्थ कौल (2018) में 18-18 विकेट झटके थे।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम को कमजोरियों पर काम करना होगा, कोलकाता से मिली हार आंखें खोलने वाली

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के पिछले सीजन में फाइनल तक पहुंचकर ट्राफी जीतने में नाकाम रही दिल्ली कैपिटल्स ने इस साल भी शानदार खेल दिखाया है। अब तक टीम 11 में से 8 मुकाबले जीतकर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर काबिज है। आखिरी मुकाबले में कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ टीम को हार का सामना करना पड़ा जिसके बाद टीम इस हार से सावधान रहने की बात कही।28 सितंबर को कोलकाता ने दिल्ली की टीम को 3 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम 9 विकेट पर 127 रन ही बना पाई थी। दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे ने बुधवार को कहा कि केकेआर

के खिलाफ हार आंखें खोलने वाली है और उनकी टीम आइपीएल के अंतिम चरण में अपनी कमजोरियों को दूर करने के लिए तैयार है।11 मैचों में आठ जीत के साथ प्लेआफ में जगह लगभग पक्की कर चुकी रिषभ पंत की अगुआई वाली दिल्ली की टीम को मंगलवार को शारजाह में कम स्कोर वाले मैच में केकेआर के खिलाफ तीन विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी। इस सीजन में टीम लगातार टाप दो टीमों में शामिल ही है और प्लेआफ में भी इन्ही जगहों पर रहते हुए पहुंचने की उम्मीद है। आमरे ने कहा, जब आप हारते हो तो आगामी मैचों के लिए कमजोरियों को दूर करने का प्रयास करते हो और यही हमारी मानसिकता होनी चाहिए। प्रत्येक मैच महत्वपूर्ण है और प्रत्येक मैच में अपना शत-प्रतिशत देंगे।

भारत के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज आमरे हालांकि खिलाड़ियों ने जो जज्बा दिखाया उससे खुश हैं। उन्होंने कहा, मुश्किल हालात में पंत पारी के अंतिम ओवर तक खेले, जिसके कारण हम चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा कर पाए। यहां तक कि गेंदबाजी करते हुए भी खिलाड़ियों ने कड़ी टक्कर दी और सुनिश्चित किया कि केकेआर के लिए लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं हो। आवेश खान ने शानदार गेंदबाजी की, जबकि अक्षर पटेल ने भी काफी अच्छी गेंदबाजी की।

जीत की लय कायम रखने उतरेगी आरसीबी, राजस्थान को मिलेगी बड़ी चुनौती

मुंबई : चैंपियन मुंबई इंडियंस को हराकर आत्मविश्वास से ओतप्रोत रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु बुधवार को जब इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) के मुकाबले में राजस्थान रायल्स से भिड़ेगी तो उसका इरादा जीत की लय को कायम रखने का होगा। विराट कोहली की कप्तानी वाली आरसीबी के 10 मैचों में 12 अंक हैं और रायल्स को हराकर प्लेआफ में उसकी जगह लगभग पक्की हो जाएगी। दूसरी ओर रायल्स के 10 मैचों में आठ अंक है और उसके लिए यह मुकाबला करो या मरो से कम नहीं होगा। यहां हारने पर उसके लिए अंतिम चार की डगर बहुत कठिन हो जाएगी।आइपीएल के इस सत्र की बहाली पर आरसीबी की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसे कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ लगातार दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा। मुंबई के खिलाफ पिछले मैच में हालांकि विराट कोहली की टीम जीत की राह पर लौटी। इस सत्र के बाद आरसीबी की कप्तानी छोड़ने जा रहे कोहली पिछले दो मैचों में अर्धशतक लगा चुके हैं और वह इस लय को बरकरार रखना चाहेंगे। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स तीन मैचों में 0, 12, 11 रन ही बना सके, जिनसे बड़ी पारी की उम्मीद है।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ कैसी होगी सनराइजर्स हैदराबाद की प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन में शानदार फार्म में चल रही चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आज शाम सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को खेलना है। अब तक टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है और वह अंक तालिका में सबसे नीचे आठवें नंबर पर है। टाप फार्म में चल रही चेन्नई के खिलाफ हैदराबाद की टीम का प्लेइंग इलेवन क्या हो सकता है जान लेते हैं।टीम ने पिछले मुकाबले में एक साथ चार बदलाव किए थे और डेविड वार्नर समेत कई बड़े खिलाड़ियों को बाहर कर दिया। चेन्नई के खिलाफ टीम में बदलाव की उम्मीद कम है। पारी की शुरूआत करते हुए जेसन राय ने पिछले मैच में शानदार बल्लेबाजी की थी। रिद्धिमान साहा के टीम को बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। कप्तान

केन विलियमसन शानदार लय में नजर आए थे और इसी प्रदर्शन को वह जारी रखते हुए टीम को एक और जीत दिलाना चाहेंगे।युवा अभिषेक शर्मा और प्रियम गर्ग पर टीम मैनेजमेंट ने भरोसा जताया है। इन दोनों खिलाड़ियों पर टीम का मिडिल आर्डर निर्भर करता है। चेन्नई के खिलाफ इनका चलना काफी कुछ टीम के स्कोर निर्धारित करेगा। आलराउंडर जेसन होल्डर इस सीजन के दूसरे चरण की शुरूआत से ही अच्छा कर रहे हैं। गेंदबाज और बल्लेबाजी में वह टीम के लिए उपयोगी योगदान कर रहे हैं।टीम की गेंदबाजी बेहद सशक्त है जहां अनुभवी भुवनेश्वर कुमार और वर्ल्ड क्लास स्पिनर राशिद खान मौजूद हैं। इसके अलावा संदीप शर्मा भी बल्लेबाजों को परेशान करने का माद्दा रखते हैं। सिद्धार्थ कौल भी चेन्नई के लिए मुश्किलें पैदा कर सकते हैं। जेसन राय, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), केन विलियमसन (कप्तान), प्रियम गर्ग, अभिषेक शर्मा, अब्दुल समद, जेसन होल्डर, राशिद खान, भुवनेश्वर कुमार, सिद्धार्थ कौल, संदीप शर्मा है।

मुंबई में चार अक्टूबर से खुलेंगे आठवीं से 12वीं तक स्कूल

मुंबई। बीएमसी के कमिश्नर इकबाल चहल ने बुधवार को कहा कि हम चार अक्टूबर से मुंबई में कक्षा आठ से 12 वीं तक के स्कूल फिर से खोल रहे हैं। बाकी कक्षाओं के लिए हम नवंबर में निर्णय लेंगे। सरकार द्वारा जारी सभी कोविड19 के लिए एसओपी को लागू किया जाएगा। इससे पहले महाराष्ट्र स्कूल शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने शुक्रवार को कहा था कि महाराष्ट्र में स्कूल चार अक्टूबर से फिर से खुलेंगे। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने इसे मंजूरी दे दी है, टास्क फोर्स और स्वास्थ्य विभाग ने राज्य में स्कूलों को फिर से खोलने के फैसले को भी मंजूरी दे दी है। उनके मुताबिक, ग्रामीण क्षेत्रों में पांचवीं से 12वीं कक्षा तक और शहरी क्षेत्रों में आठवीं से 12वीं तक कक्षाएं फिर से शुरू होंगी। बच्चों को स्कूल वापस लाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। स्थानीय अधिकारियों को अदिकार दिया गया है। उन्होंने कहा कि छात्र अपने माता-पिता की सहमति से ही स्कूलों में आएंगे, किसी भी लाभार्थी योजना या परीक्षा के लिए उपस्थिति अनिवार्य नहीं की जाएगी। छात्र आनलाइन और आफलाइन दोनों माध्यमों से शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। हमारी सामग्री यूट्यूब पर भी उपलब्ध है। गौरतलब है कि बीएमसी क्षेत्राधिकार क्षेत्र में पांचवें सीरो सर्वेक्षण में मुंबई में 86.64 फीसद कोविड19 के एंटीबाडी पाए गए। 90.26 फीसद लोगों में एंटीबाडी पाए गए, जिन्हें पूर्ण या आंशिक रूप से टीका लगाया गया था। 79.86 फीसद अशिक्षित नागरिकों में एंटीबाडी पाए गए। इस बीच, देश में लगातार दूसरे दिन कोरोना संक्रमण के नए मामले 20 हजार सम कम पाए गए। यही नहीं पिछले 24 घंटे के दौरान सक्रिय मामलों में भी करीब 10 हजार की कमी आई है और 194 दिन बाद सक्रिय मामले सबसे कम 2,82,520 हो गए हैं, जो कुल मामलों का 0.84 फीसद है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से बुधवार सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के मुताबिक, बीते 24 घंटे में 18,870 नए मामले मिले हैं, जिनमें 11 हजार से ज्यादा अकेले केरल से हैं। मंगलवार को 18,795 नए मामले मिले थे। वैसे कोरोना महामारी के समग्र हालात में सकारात्मक सुधार हो रहा है।

मुंबई में 29 मेडिकल स्टूडेंट कोरोना पॉजिटिव, दो अस्पताल में भर्ती

मुंबई : मुंबई में कोरोना अभी भी लोगों को अपना शिकार बना रहा है। ताजा मामला मुंबई के केईएम और सेठ जीएस मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले 29 छात्रों से जुड़ा है। सभी 29 छात्र मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं। इन सभी को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। 29 में से 23 विद्यार्थी सेकंड ईयर एमबीबीएस के छात्र हैं, जबकि 6 विद्यार्थी फर्स्ट ईयर एमबीबीएस के छात्र हैं।कोरोना पॉजिटिव पाए गए 29 विद्यार्थियों में से 27 लोगों ने कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज लगवाई थी। फिलहाल दो छात्रों को इलाज के लिए मुंबई के सेवन हिल्स हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है जबकि अन्य लोगों को क्वारंटीन किया गया है। फिलहाल यह जांच की जा रही है आखिर यह सभी लोग कोरोना की चपेट में कैसे आए? राज्य में बीते 24 घंटों के अंदर 49 कोरोना मरीजों ने दम तोड़ दिया है। हमारी से अब तक एक लाख 39 हजार 11 लोगों को अपनी जान गवानी पड़ी है। वहीं 63,68,530 मरीज कोरोना को हराने में सफल रहे हैं। दिन भर में 3 हजार 253 मरीज ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं। राज्य में कोरोना महामारी से ठीक होने वाले मरीजों का प्रतिशत 97.26 है। इसके पहले मुंबई के ग्रांटरोड इलाके के एक अनाथालय में रहने वाले कई बच्चे भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। मुंबई शहर में अभी भी कुछ वार्ड ऐसे हैं जहां कोरोना महामारी का खतरा बरकरार है।

हार्ट सर्जरी के बाद सचिन वझे ने किया था मकान में कैद रखने का अनुरोध, अदालत ने ठुकराया

मुंबई: पूर्व पुलिस अधिकारी सचिन वझे की हाल ही में हार्ट सर्जरी हुई है। सचिन वझे ने अनुरोध किया था कि उसे जेल भेजे जाने के बजाए मकान में ही कैद कर दिया जाए। इस अनुरोध को स्थानीय अदालत ने बुधवार को ठुकरा दिया। उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के पास विस्फोटक सामग्री रखी एक एसयूवी मिली थी। उसके बाद उद्यमी मुकेश हिरन की हत्या के मामलों में सचिन वझे मुख्य आरोपी है।

पिछले सप्ताह वझे के वकील ने एनआईए की विशेष अदालत में अर्जी देकर उन्हें घर पर ही स्वास्थ्य लाभ करने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। लेकिन राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अर्जी का विरोध करते हुए कहा कि अगर उन्हें मकान में कैद किया गया तो वह भागने का भी प्रयास कर सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अंधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित। संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net